

FORM NO. III (प्रारूप संख्या-3)


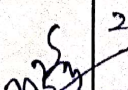
फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत... मति जिला कलक्टर... मुकाम... नीमकाथाना

शमेश्वर... बनाम... लक्ष्मीलक्षर

किस्म मुकदमा... नम्बर... 33... वर्ष... 2024

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय हुनिशियल्स जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
28/6/24	<p>रिपोर्ट लिखित होकर प्राचीन पत्र पेश हुआ। वकील प्राचीन उपर प्राचीन पत्र दर्ज रजिस्टर भिजा जावे। प्राचीन पत्र पर वकील प्राचीन बि बहल बुनी गई। पत्रावली काटते आदेश दिनांक 1-7-2024 को पेश हों।</p> <p style="text-align: center;">  अतिरिक्त जिला कलक्टर नीमकाथाना </p>	
1.7.24	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील प्राचीन उपर दोराने बहल वकील प्राचीन ने बताया था कि अमि खण नं 2498/63 व खण नं 63 कुल मिला 2 कुल रकबा 4.30 हे बन ग्राम गणकुलाल में स्थित है। कुल रकबा में से 0.45 हे में कब्जा कर खजो के समग्र ले ही रह रहे हैं। अपीलान्त जारी आदेशी है एवं अमि हीन है। अपीलान्त के विरुद्ध अधिनस्थ न्यायालय द्वारा मुं नं 28/19 व मुं नं 22/21 दर्ज कर कार्यवाही कि है। जसे अवैध है। अतः अधिनस्थ न्यायालय द्वारा पारित आदेश कि स्थानवति रोमी जावे।</p> <p>वकील प्राचीन बि बहल पर मनन भिजा गया। पत्रावली व पत्रावली में उपलब्ध रिकार्ड का अवलोकन भिजा जाया। पत्रावली में उपलब्ध रिकार्ड रिपोर्ट पत्रावली हस्ता का अवलोकन भिजा गया। अवलोकन ले पाया गया कि अमि खण नं 2498/63 रकबा 1.25 हे भिलम जे मु. पहाड</p> <p style="text-align: center;">  अतिरिक्त जिला कलक्टर नीमकाथाना </p>	

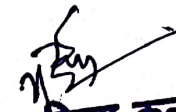
भूमि खण्ड नं ६३ क्रमांक ३३२ है जिसका जमीन
पहाड के हुल्य जमना पहाड है जो वे ०.५३६
पर कतिप्राण कर कटवा कर रखा है।
जो राजकीय भूमि है। जिस पर कतिप्राण
करने का जमीलान्ट को कोई हक अधिकार
नहीं है। राजकीय भूमि पर कतिप्राण कर
जमा है जो गवर्ध है। जहाँ तक जमीलान्ट
का यह कथन है कि हमारा कटवा प्रवर्तन
के समय से है परन्तु जमीलान्ट द्वारा
ऐसा कोई आग्रह/दस्तावेज प्रेश नहीं किया
जिससे कि जमीलान्ट के इस कथन कि
पुष्टि होती हो। जमीलान्ट के विरुद्ध अधिवलय
न्यायालय द्वारा जो आग्रह/दस्तावेज की गई है
वो वर्ष २०१९ में भी की गई थी एवं
२०२१ में भी की गई है। परन्तु जमीलान्ट
द्वारा न्यायालय हाजा में जमीलान्ट इतने समय
के बाद की गई है। प्रकरण राजकीय भूमि
का है जिसमें कोई लक्ष्यता दिया जाना
उचित प्रतीत नहीं होता है। इस प्रकार
लक्ष्मी तथ्यो को देखते हुए एवं रिमांड
का अवलोकन करने से प्रथम दृष्टया केश
दुविधा का लन्दलन व अप्रणीय क्षति का
सिद्धान्त प्रार्थी के पक्ष में होना नहीं पाया जाता
है। जमीलान्ट/प्रार्थी को अप्रणीय क्षति होने
का प्रश्न ही नहीं है क्योंकि उक्त भूमि राजकीय
भूमि है। जिस पर प्रार्थी का कोई हक अधिकार
नहीं है। जमीलान्ट द्वारा न्यायालय हाजा में
जो कपील प्रेश कि गई है वो काफी समय
के बाद की गई है। जिसकी विधान्वति
मात्र दृष्टगित किया जाना उचित प्रतीत
नहीं होता है। इस प्रकार लक्ष्मी तथ्यो के
आधार पर प्रार्थना पत्र में दृष्टगन कोदेश
जारी किया जाना उचित प्रतीत नहीं होता है।
इस प्रकार प्रार्थी का प्रार्थना पत्र वाञ्छित
नहीं होने व प्रथम दृष्टया केश, दुविधा व
लन्दलन व अप्रणीय क्षति का सिद्धान्त
प्रार्थी के पक्ष में नहीं पाये जाने से

अतिरिक्त जिला कलेक्टर
नीमकाथाना

<p>तारीख हुकम</p>	<p>हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए</p>
-----------------------	--	--

प्रार्थना पर खारीज किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थना का प्रार्थना पर दाखल दखलाने लायक होने से खारीज किया जाता है। निर्णय हुआ। पत्रावली के अंक 30 मार होकर नम्बर से कम होकर काकिल पत्र हो


 अतिरिक्त जिला कलक्टर
 नीमकाथाना